are entitled to 65 per cent neutralisation. The annual average of AICPI as on 1 * 1 * 93 works out to 1168.83. The instal-menf of DA due from 1st January normally becomes payable' with the salary for the month of March.

India's Balance of Payment Position

872. SHRI GURUDAS DAS GUPTA:
SHRI N. E. BALARAM:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) wherther it is a fact that our-balance of payment gap has been increasing due to the increased value of imports and reduced exports; and

(b) if so, what is the latest position in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (DR. ABRAR AHMED): (a) and (b) The 1992-93 balance of payments' current account deficit is estimated to be around US dollar 7 billion as compared to' US dollar 3 billion in 1991-92. The low level of imports in 1991-92 was an outcome of severe import compression measures taken by the Government. Import restriction., were gradually lifted in 1991-92 and 1992-93 saw a revival of imports to more normal levels. Exports, in 1992-93 (April—Deicember) have plerformed better as compared to the corresponding period 'in 1991-92."

बैंक कर्मचारियों का राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन

873. **श्री गयो सिंह :** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बैंक कर्मचारी राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन करने जा रहे हैं;

(ख) क्या उक्त आंदोलन पेंशन योजना के संबंध में किया जायेगा ; और

(ग) यदि हां, तो केन्द्रीय सरकार इस संबंध में क्या-क्या कदम उठा रही है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० अबरार अहमद) : (क) और (ख) भारतीय बैंक संघ ने सूचित किया है कि अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी एसोसिएशन तथा बकों, बीमा और वित्तीय संस्थाओं में एसोसिएशन/फैडरेशन की समन्वय समिति ने अपनी मांगों के समर्थन में, जिनमें पेंशन भी शामिल है, क्रमश: 18–3–93 तथा 29–3–93 को हड़ताल का आह्वान किया है ।

(ग) हड़ताल का आह्वान कतई न्यायोचित नहीं है । सामान्यता बैंक अधिकारी/कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि तथा सेवा उपदान के लाभों के लिये पात्र हैं और इन्हें सरकारी कर्मचारियों और अन्य सरकारी उपक्रमों के कर्मचारियों को उपलब्ध सेवा निवृत्ति लाभों को ध्यान में रखते हुये, जिन्हें केवल पेंशन, उपदान और सामान्य भविष्य निधि का लाभ प्राप्त होता है, पर्याप्त और तुलनीय माना जाता है । फिर भी, भारतीय बैंक संघ वर्तमान में नये वेतन समझौते के बारे में बैंकों की यूनियनों के साथ बातचीत कर रही है तथा बैंकों की यूनियन के कहने पर यह मुद्दा उनकी कार्य-सूची में है ।

विदेशी सहायता का लाभकारी उपयोग

874. **डा० जितेन्द्र कुमार जैन :** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 19 जनवरी, 1993 के "आब्जर्वर" में "यूटीलाइज फोरेन एड जेनफुल्ली" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि प्राप्त सूचनाओं के अनुसार विदेशों से विभिन्न रूपों से अब तक प्राप्त वित्त

सहायता की 72,664 करोड़ रुपये की धनराशि अनेक कारणों से अप्रयुक्त रह गई है ;

(ग) यदि नहीं, तो इस संबंध में नवीनतम तथ्यात्मक स्थिति क्या है ;

(घ) क्या यह भी सच है कि उक्त धनराशि में से चालू वित्तीय वर्ष के दौरान जितनी धनराशि का उपयोग करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, उसे प्राप्त नहीं किया जा सका है ; और

(ङ) यदि हां, तो क्या सरकार भविष्य में विदेशों से ऋण लेने के प्रयासों में कोई परिवर्तन करेगी; यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० अबरार अहमद) : (क) जी, हां ।

(ख) और (ग) 31 दिसम्बर, 1992 की स्थिति के अनुसार वित्तीय सहायता की बकाया अप्रयुक्त राशि 66,038 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। यह विदेशी सहायता के उस अप्रयुक्त हिस्से को दर्शाती है जिसके लिये संविदा (कंट्रेक्ट) की गई है और जिसका इस्तेमाल संबद्ध परियोजनाओं को पूरा करने के लिये किया जायेगा। क्योंकि हमारी विदेशी सहायता का बड़ा हिस्सा लंबी अवधि में परिपक्व होने वाली परियोजनाओं से संबद्ध है, इसलिये संवितरित की जाने वाली सहायता की प्राप्त होने वाली राशि पर्याप्त है ।

(घ) चालू वर्ष के लिये नियत किये गये लक्ष्यों की तुलना में इस्तेमाल किये जाने की स्थिति वित्तीय वर्ष समाप्त होने के बाद ही जानी जा सकती है ।

(ङ) प्रश्न ही नहीं उठता ।

मुद्रा-प्रसार में वृद्धि

875. **श्री राम जेठमलानी :**
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि देश में पिछले कुछ वर्षों के दौरान मुद्रा-प्रसार में निरन्तर वृद्धि हो रही है;

(ख) यदि हां, तो 1989–90, 1990–91 और 1991–92 के वर्षों में देश में कुल कितनी मुद्रा का प्रसार हुआ था;

(ग) क्या सरकार ने उक्त वर्षों के दौरान मुद्रा-प्रसार के संबंध में लक्ष्य निर्धारित किए थे;

(घ) यदि हां, तो इन वर्षों के लिए निर्धारित लक्ष्यों का ब्यौरा क्या है;

(ङ) वर्तमान वित्तीय वर्ष 1992–93 के संबंध में मुद्रा-प्रसार हेतु क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं; और

(च) इस समय वस्तुतः मुद्रा का कितना प्रसार होने का अनुमान है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० अबरार अहमद) : (क) जी, हां ।

(ख) वर्ष 1989–90, 1990–91 और 1991–92 में प्रचालन में मुद्रा (अर्थात् नोट और रुपए तथा छोटे सिक्के) के बारे में नीचे बताया गया है :—

	(करोड़ रुपए)
1989–90 . .	44,691
1990–91 . .	50,814
1991–92 . .	58,733